प्रसवपूर्व रक्तस्त्राव

Antepartum Haemorrhage (APH)

उद्देश्य

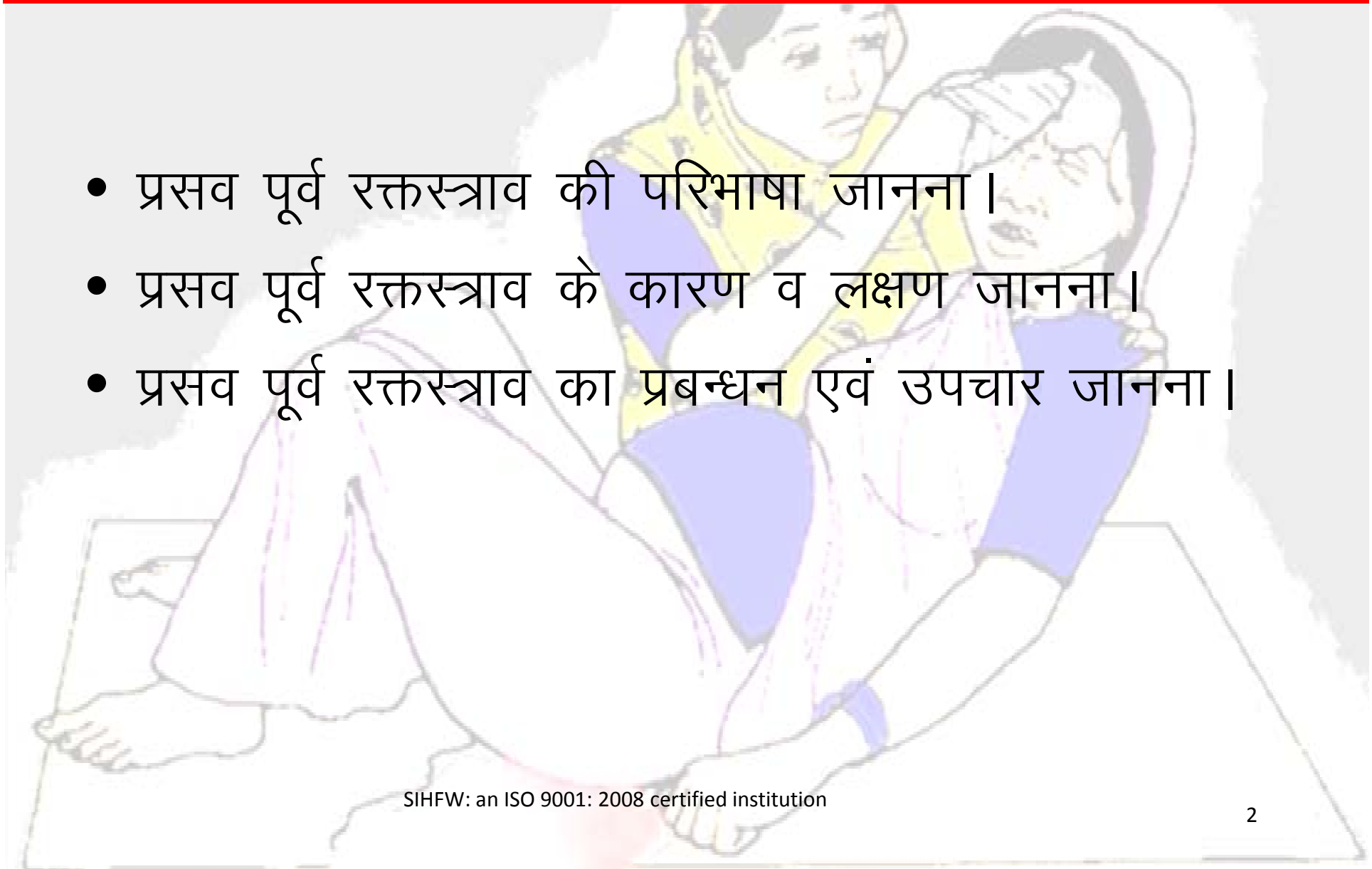

- प्रसव पूर्व रक्तस्त्राव की परिभाषा जानना।
- प्रसव पूर्व रक्तस्त्राव के कारण व लक्षण जानना।
- प्रसव पूर्व रक्तस्त्राव का प्रबन्धन एवं उपचार जानना।

परिचय

1. गर्भावस्था में कभी भी रक्तस्त्राव होना या हल्का खून का धब्बा आना भी खतरनाक होता है। रक्तस्त्राव होने पर तुरंत अस्पताल जाएं। ऐसी स्थिति में योनि की जाँच नहीं करें।
2. महिला को FRU में भेजें जहाँ रक्त चढ़ाने की सुविधा उपलब्ध हो तथा हमेशा विस्तृत केस रिकॉर्ड के साथ ही रेफर करें।

परिचय

3. आई.वी. लाइन लगाकर आई.वी. तरल (रिंगर लेक्टेट/सामान्य सेलाइन) देना शुरू करें। यदि महिला का बहुत अधिक खून बह रहा हो तो आई. वी. तरल तेज गति से दें।
4. अगर महिला सदमे में है तो उसको बाईं करवट सुलाएं और पांव के नीचे तकिये रखें।
5. महिला के परिवार के सदस्यों को जरूरी होने पर रक्तदान के लिए तैयार व प्रेरित करें।

प्रसवपूर्व रक्तस्त्राव की परिभाषा

- गर्भ के 20 सप्ताह बाद से शिशु जन्म तक होने वाले रक्तस्त्राव को **प्रसव पूर्व रक्तस्त्राव** कहते हैं।

प्रसवपूर्व रक्तस्त्राव के कारण

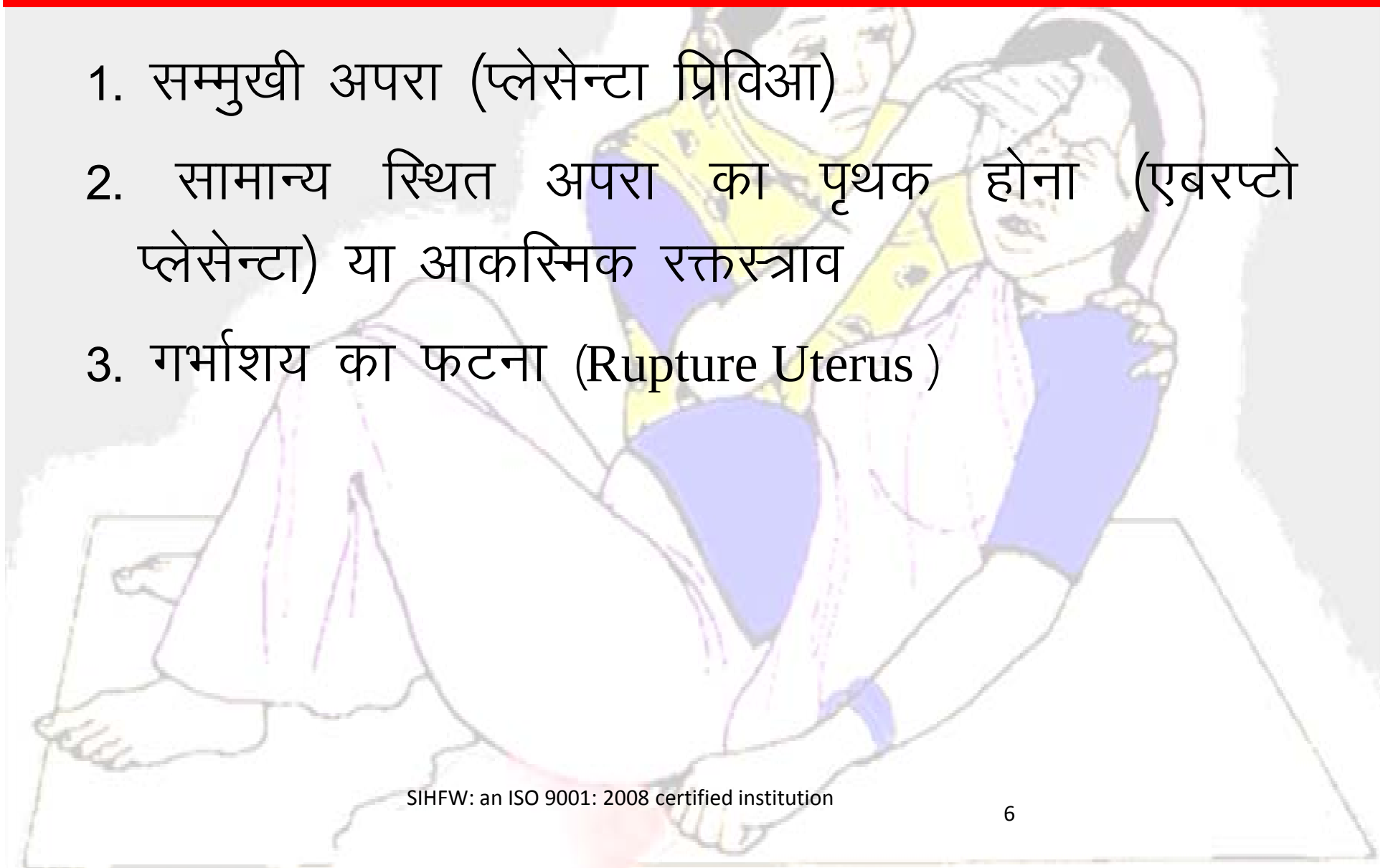

1. सम्मुखी अपरा (प्लेसेन्टा प्रिविआ)
2. सामान्य स्थित अपरा का पृथक होना (एबरप्टो प्लेसेन्टा) या आकस्मिक रक्तस्त्राव
3. गर्भाशय का फटना (Rupture Uterus)

प्रसवपूर्व रक्तस्त्राव के कारण

1. प्लेसेन्टा प्रिविआ

- सामान्यतः प्लेसेन्टा गर्भाशय गुहा के ऊपरी खण्ड में स्थापित होता है। किसी–किसी गर्भवती में गर्भाशय गुहा के निचले खण्ड या ग्रीवा मार्ग पर स्थापित हो जाता है। इस स्थिति को प्लेसेन्टा प्रिविआ कहते हैं।

प्रसवपूर्व रक्तस्त्राव के कारण

2. सामान्य स्थित अपरा का पृथक होना (एबरप्टो प्लेसेन्टा) या आकस्मिक रक्तस्त्राव

- प्लेसेन्टा समय से पहले बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक अपने स्थान से अलग या पृथक होने लगे तब इस स्थिति में आकस्मिक रक्तस्त्राव होता है। प्लेसेन्टा एक वैस्क्युलर अंग है, इसी वजह से इसके पृथक होने से गंभीर रक्तस्त्राव होता है।

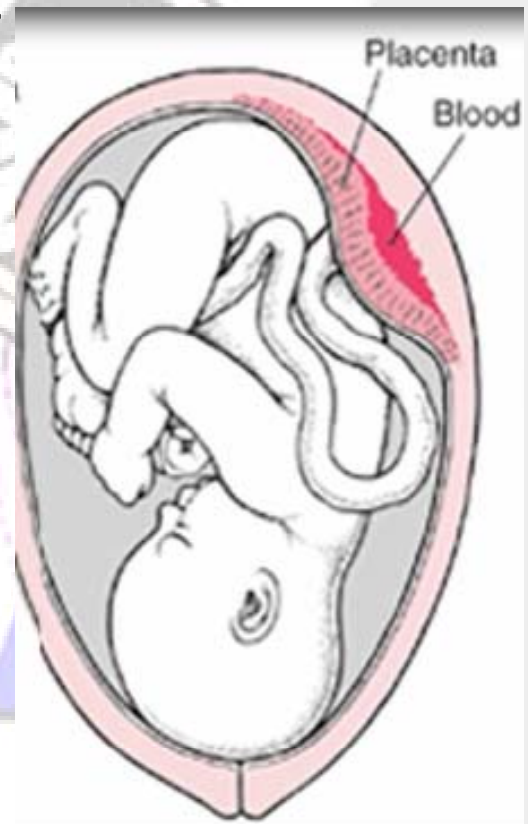

प्रसवपूर्व रक्तस्त्राव के कारण

प्लेसेन्टा के पृथक होने के कई कारण होते हैं

- पेट पर धक्का, मुक्का, घूँसा, लात, गिरना, यातायात दुर्घटना, ताण के झटके।
- शिशु नाभिनाल बहुत छोटी हो तो इसके खिंचाव से प्लेसेन्टा अलग हो सकती है।
- PIH, प्री–एक्लेम्पिसिया, एक्लेम्पसीया में भी प्लेसेन्टा समय से पूर्व अलग हो सकती है।

प्रसव पूर्व रक्तस्त्राव के लक्षण

गर्भावस्था में रक्तस्त्राव के प्रकार	संभावित कारण
खून मिला श्लेष्मा, गाढ़ा पानी, प्रसव पीड़ा	प्रसव की शुरूआत
कोई भी अन्य रक्तस्त्राव	प्रसव पूर्व रक्तस्त्राव

प्रसव पूर्व रक्तस्त्राव के प्रकार	लक्षण व चिन्ह
प्लेसेन्टा प्रिविआ	1. सिर्फ रक्तस्त्राव (कभी–कभी) 2. रक्तस्त्राव संभोग के बाद शुरू होता है 3. शिशु की धड़कन सामान्य 4. पीड़ा रहित रक्तस्त्राव

प्रसव पूर्व रक्तस्त्राव के लक्षण

प्रसव पूर्व रक्तस्त्राव के प्रकार	लक्षण व चिन्ह
प्लेसेन्टा का गर्भाशय से अलग होना (एबरप्टो प्लेसेन्टा)	1. गर्भाशय तना हुआ 2. रक्तस्त्राव, पेट दर्द (रूक–रूक कर या लगातार) 3. शिशु के दिल की धडकन बन्द या असामान्य
गर्भाशय का फटना (**Ruptur Uterus**)	1. शिशु की स्थिति आड़ी या उल्टी हो सकती है 2. रक्तस्त्राव, तेज पेट दर्द या पेट का फूला होना 3. गर्भाशय का आकार असामान्य, गर्भस्थ शिशु के अंग आसानी से पेट के पास महसूस होना 4. माँ की नब्ज गति बहुत ज्यादा होना

प्रसवपूर्व रक्तस्त्राव से माता में खतरे

1. शरीर में रक्त की गम्भीर कमी
2. अचानक रक्त की कमी के कारण आघात (Post hemorrhagic shock)
3. गुर्दे नाकाम होना (Renal Failure)
4. रक्त के थक्के जमने की शक्ति नष्ट होना (Coagulation Failure)
5. प्रीटर्म लेबर

प्रसवपूर्व रक्तस्त्राव से माता में खतरे

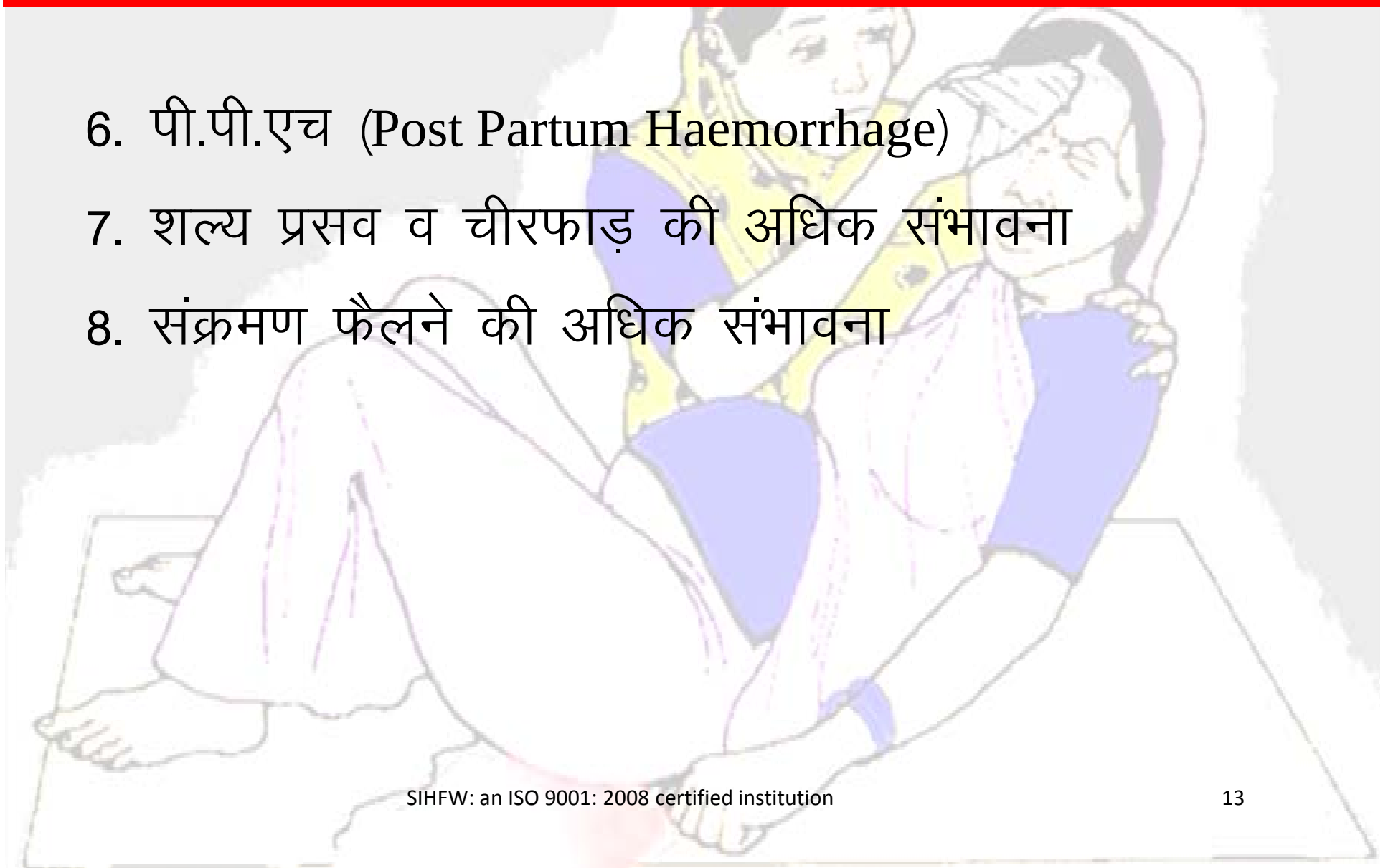

6. पी.पी.एच (Post Partum Haemorrhage)
7. शल्य प्रसव व चीरफाड़ की अधिक संभावना
8. संक्रमण फैलने की अधिक संभावना

प्रसवपूर्व रक्तस्त्राव से शिशु में खतरे

1. शिशु को पहुँचने वाले रक्त व ऑक्सीजन की अचानक कमी हो जाती है व शिशु को आघात हो जाता है। ऐसे में शिशु मर भी सकता है।
2. रूक–रूक कर लम्बे समय तक चलने वाले रक्तस्त्राव से शिशु की वृद्धि एवं विकास प्रभावित होता है।
3. Preterm समय पूर्व जन्म की संभावना बढ़ जाती है।

प्रसवपूर्व रक्तस्त्राव से शिशु में खतरे

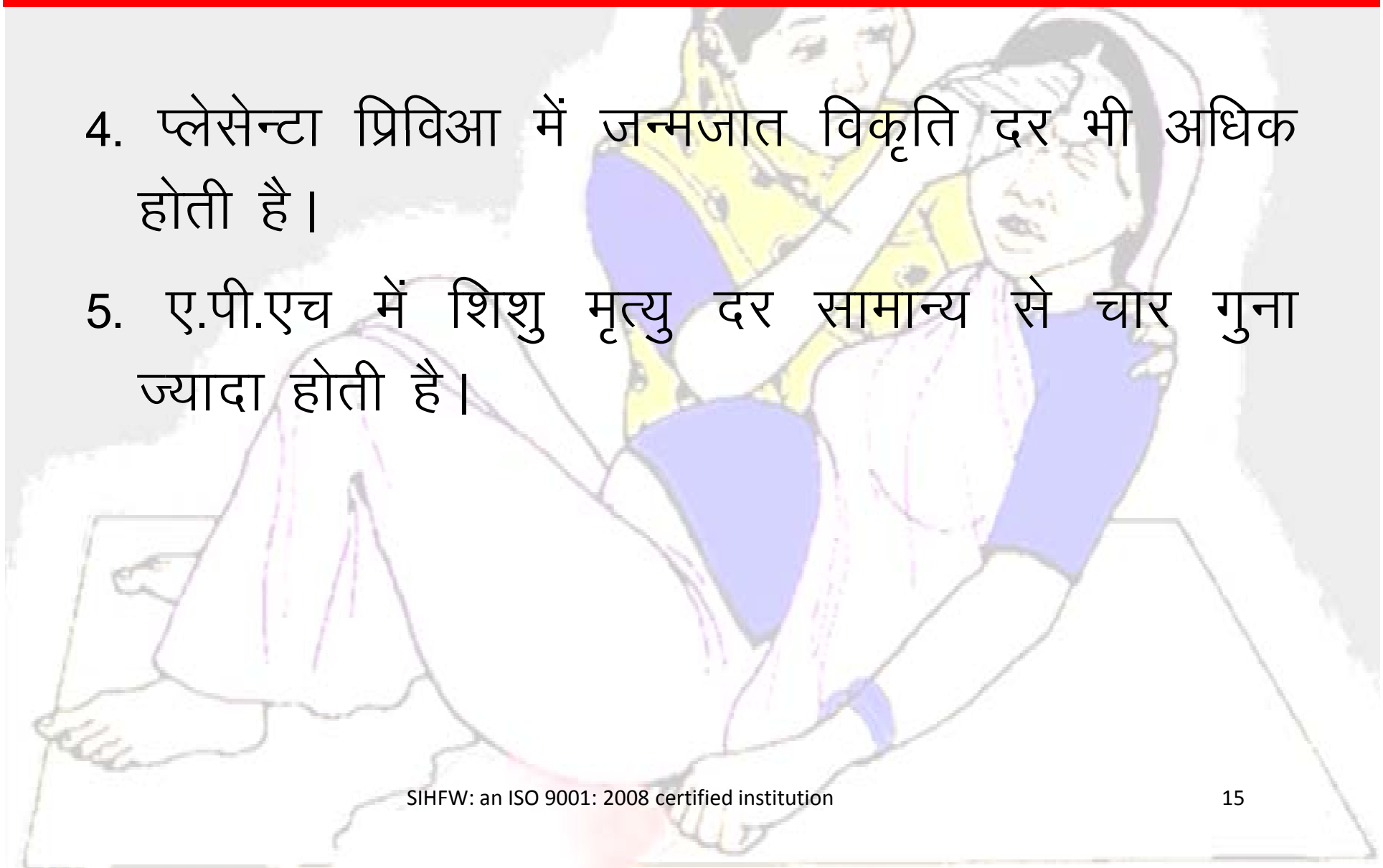

4. प्लेसेन्टा प्रिविआ में जन्मजात विकृति दर भी अधिक होती है।
5. ए.पी.एच में शिशु मृत्यु दर सामान्य से चार गुना ज्यादा होती है।

प्रसवपूर्व रक्तस्त्राव का उपचार

1. प्रसव पूर्व रक्तस्त्राव एक आपातकालीन अवस्था होती है जिसका उपचार ऐसे सरकारी व निजि अस्पताल में होता है, जहाँ पर प्रसूति विशेषज्ञ, निश्चेतना, रक्त चढ़ाना एवं शल्य चिकित्सा इत्यादि की सुविधाएं हों।
2. प्रसव पूर्व रक्तस्त्राव होने पर समय नष्ट नहीं करें।
3. रेफर करने से पूर्व फोन द्वारा अस्पताल को सूचित करें।

प्रसवपूर्व रक्तस्त्राव का उपचार

4. रक्तस्त्राव की मात्रा व स्थिति के अनुसार हर केस में अलग–अलग प्रकार की आपातकालीन चिकित्सा देनी पड़ती है, जैसे आई.वी. तरल देना, ऑक्सीजन चढ़ाना, रक्त चढ़ाना, आघात ठीक करने के लिए अनेक इंजेक्शन लगाना, नाड़ी, रक्तचाप, श्वसन, रक्तस्त्राव की निगरानी रखना इत्यादि।

सारांश

1. प्रसव पूर्व रक्तस्त्राव केस का प्रसव घर पर या ऐसे केन्द्र पर करवाने का प्रयत्न नहीं करें, जहां पर आपातकालीन शल्य चिकित्सा, रक्त चढ़ाना, निश्चेतना, प्रसूति विशेषज्ञ इत्यादि सेवाएं उपलब्ध न हों।
2. प्रसव पूर्व रक्तस्त्राव केस में कभी भी योनि द्वारा जांच नहीं करें।

सारांश

3. अगर कोई अधिक रक्तस्त्राव वाली गर्भवती आती है तो उसे आई.वी. तरल (रिंगर लेक्टेट/नॉर्मल सेलाइन) तेज गति से देवें।

4. महिला को रेफर करने की व्यवस्था तुरन्त करें। यदि नब्ज 110 या अधिक है या सिस्टोलिक रक्तचाप 90 mm Hg से कम हो तो अस्पताल पहुंचने तक महिला को बाईं करवट लिटाएं एवं उसके पांव के नीचे तकिये रखें।

सारांश

5. रेफरल अस्पताल तक महिला के साथ जाएं और उसे भर्ती करवाएं।
6. अस्पताल पहुंचने तक महिला की नब्ज गति, रक्तचाप, सांस की गति हर 15 मिनट में नापते रहें एवं बहे हुए खून का सही आंकलन करें।
7. सारी जानकारी रेफरल पर्ची पर लिख कर भेजें।

धन्यवाद